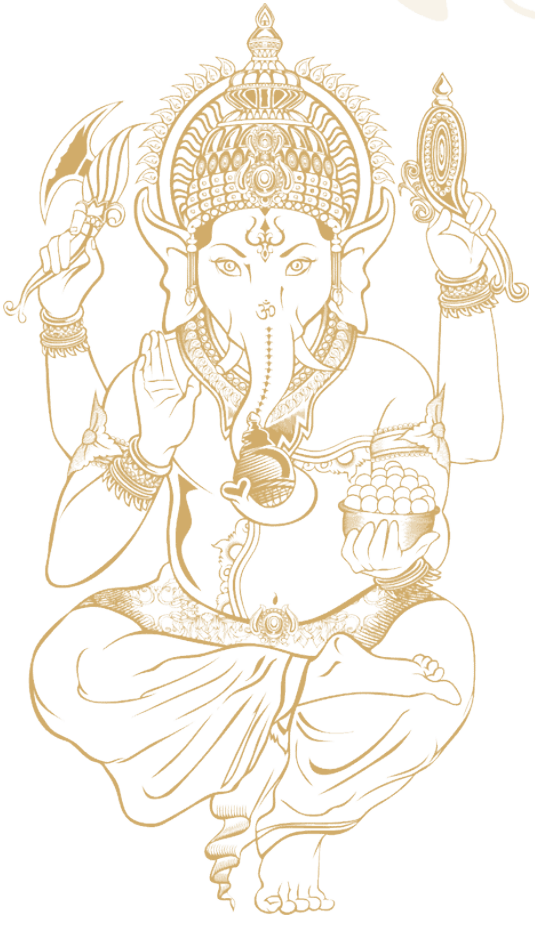

Mr.samyak

Ms.pranali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120465903

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
5-06/11/1997 :	जन्म तिथि	: 18/01/1998
बुध-गुरुवार :	दिन	: रविवार
घंटे 04:45:00 :	जन्म समय	: 14:09:48 घंटे
घटी 55:31:44 :	जन्म समय(घटी)	: 17:40:58 घटी
India :	देश	: India
Kolhapur :	स्थान	: Solapur
16:42:00 उत्तर :	अक्षांश	: 17:43:00 उत्तर
74:19:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:56:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:32:44 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:16 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:32:18 :	सूर्योदय	: 07:00:36
18:00:03 :	सूर्यास्त	: 18:12:47
23:49:32 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:43

विंशोत्तरी शुक्र 2वर्ष 0मा 2दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 1वर्ष 0मा 27दि	
राहु		23:44:56	कन्या	लग्न	वृष	08:35:48	राहु	
08/11/2022		19:45:12	तुला	सूर्य	मक	04:12:58	15/02/2016	
08/11/2040		25:19:44	धनु	चंद्र	कन्या	07:36:46	14/02/2034	
राहु	22/07/2025	03:43:41	धनु	मंगल	कुंभ	00:37:23	राहु	28/10/2018
गुरु	15/12/2027	03:32:11	वृश्चि	बुध	धनु	13:37:46	गुरु	22/03/2021
शनि	21/10/2030	19:36:31	मक	गुरु	कुंभ	02:12:06	शनि	27/01/2024
बुध	10/05/2033	06:46:44	धनु	शुक्र व	मक	01:07:58	बुध	16/08/2026
केतु	28/05/2034	21:06:10	मीन व	शनि	मीन	20:40:53	केतु	03/09/2027
शुक्र	28/05/2037	24:10:12	सिंह व	राहु	सिंह	17:27:08	शुक्र	03/09/2030
सूर्य	22/04/2038	24:10:12	कुंभ व	केतु	कुंभ	17:27:08	सूर्य	29/07/2031
चन्द्र	21/10/2039	11:07:35	मक	हर्ष	मक	14:15:52	चन्द्र	27/01/2033
मंगल	08/11/2040	03:34:16	मक	नेप	मक	05:45:49	मंगल	14/02/2034
		10:48:16	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:28:39		

लग्न-चलित

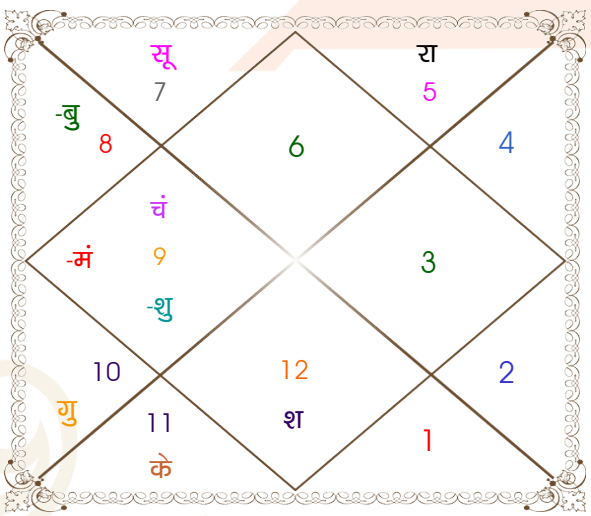

लग्न-चलित

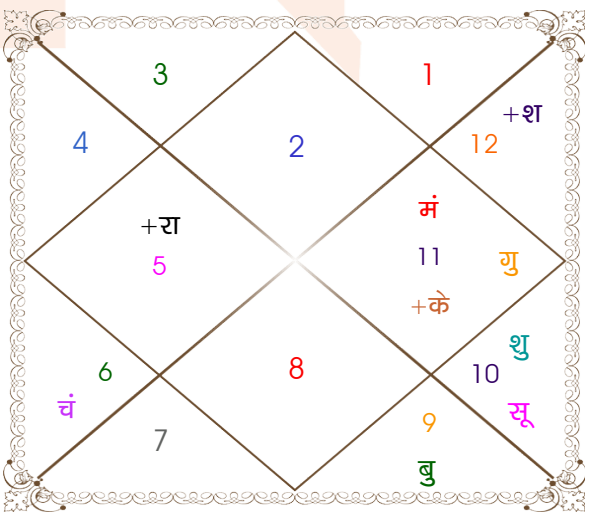

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

Mr.samyak का वर्ग श्वान है तथा Ms.pranali का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.samyak और Ms.pranali का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.samyak मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.samyak कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.pranali मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms.pranali कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.pranali कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.samyak तथा Ms.pranali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।